Result Mitra Daily Magazine

निमोनिया की दवाई

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में सरकार ने "नेफिथ्रोमाइसिन" नामक पहले स्वदेशी रूप में विकसित एंटीबायोटिक के सॉफ्ट लॉन्च की घोषणा की है, जो एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR)से निपटने के लिए तैयार किया गया है।
- यह दवा–प्रतिरोधी निमोनिया के इलाज में काफी सहायक होगा, जिससे प्रत्येक वर्ष में दुनिया भर में दो मिलियन से अधिक मौतें होती हैं।

❖ नेफिथ्रोमाइसिन :

- इसे सामुदायिक–अधिग्रहित जीवाणु निमोनिया (CABP)के उपचार के लिए डिजाइन किया गया है, जो दवा प्रतिरोधी जीवाणु के कारण बच्चों, बुजुर्गों तथा मधुमेह एवं कैंसर रोगियों को ज्यादा प्रभावित करता है।
- इसका विकास वोलकार्ड नामक कंपनी द्वारा किया जाता है, जो इसे 'मिक्याफ' के नाम से बेचती है।
- इसके विकास में जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (जैव प्रौद्योगिकी विकास की इकाई) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- यह सामान्य एवं असामान्य दोनों तरह के रोगाणुओं को लक्षित करता है, तथा कम साइड–इफेक्ट्स एवं बहुमुखी विकल्प के कारण यह काफी विशिष्ट हो जाता है।

Note :– भारत में CABP मरीजों की संख्या वैश्विक मरीजों का 23% से ज्यादा है।

❖ निमोनिया :

- यह मुख्यत: फेफड़ों (Lungs) को प्रभावित करती है।
- दरअसल फेफड़ों में एल्वियोली नामक दवा की छोटी थैलियां होती है, जो सांस लेने पर हवा से भर जाती है, लेकिन निमोनिया की स्थिति में यह एल्वियोली मवाद और तरल पदार्थ से भर जाता है, जिससे सांस लेने में बेहद तकलीफ होती है।
- बच्चों में इसका प्रभाव ज्यादा देखा जाता है, जो वायरस, जीवाणु एवं कवकों के द्वारा होता है।

- बच्चों में बैक्टिरियल, निमोनिया का सबसे सामान्य कारण स्ट्रैप्टोकोकस न्यूमोनिया है, जिसके बाद हेमोफिलस इन्फ्लूएंजा–टाइप–B का स्थान है।
- बच्चों में सबसे सामान्य वायरल निमोनिया का कारण रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस है।
- निमोनिया छींकने, खांसने, संक्रमित कण को श्वसन के रूप में अंदर लेने के अलावा रक्त–आधान आदि से फैल सकता है।

❖ विभिन्न प्रकार :

1. जीवाणु–जनित निमोनिया :

- प्रमुख जीवाणुओं में स्ट्रैप्टोकोकस, न्यूमोनिया, हीमोफिलस, इन्फ्लूएंजा, स्टैफिलोकोकस ऑरियस एवं माइक्रोप्लाज्मा आदि शामिल है।

2. वायरस जनित निमोनिया :

- प्रमुख वायरसों में इन्फ्लूएंजा, रेस्पिरेटरी सिंक्राइटियल वायरस (RSV), कोरोनावायरस एवं एडेनोवायरस शामिल है।

3. फंगल (कवक) निमोनिया :

- प्रमुख फंगल निमोनिया में हिस्टोप्लाजमा कैप्सूलटम, क्रिप्टोकोकस नियोफॉर्मन्स, कॉक्सिडियोडाइट्स इमिटिस एवं ब्लास्टोमाइसेज डर्माटिटिडिस आदि शामिल है।

4. वॉकिंग निमोनिया :

- यह एक कम गंभीर प्रकार का निमोनिया है, जिसमें फेफड़ों में स्थानीय संक्रमण होता है।
- सामान्य निमोनिया के विपरीत, इसमें रोगियों को विशेष देखभाल की जरूरत नहीं होती है एवं वे अपना दैनिक क्रियाकलाप हल्की असुविधा के बावजूद जारी रख सकते हैं।
- यह युवा वर्ग में ज्यादा सामान्य है।
- प्रमुख संक्रामकों में माइक्रोप्लाज्मा, न्यूमोनिया, क्लैमाइडिया न्यूमोनिया एवं लेगियोनेला न्यूमोफिला आदि शामिल है।

❖ AMR :

- यह ऐसी स्थिति है, जब जीवाणु, विषाणु, कवक आदि एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दर्शाते हैं।

- WHO के अनुसार, 2019 में AMR प्रत्यक्षत: 1.27 मिलियन एवं अप्रत्यक्षत: 4.95 बिलियन मौतों का कारण बना।
- भारत सरकार ने 2017 में राष्ट्रीय एक्शन योजना एवं 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आगाज AMR को ध्यान में रखते हुए किया था।